केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च 2010
अंक – योजना हिंदी (केन्द्रिक)
कूटबंध 2/1/1
2/1/2
2/1/3

कक्षा – XII

सामान्य निर्देश :

1. अंक–योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। अंक योजना में दिए गए उत्तर–बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं। यदि परीक्षार्थी ने इनसे भिन्न किंतु उपयुक्त उत्तर दिए हैं, तो उसे उपयुक्त अंक दिए जाएँ।

2. मूल्यांकन करने वाले परीक्षकों के साथ जब तक प्रथम दिन वैयक्तिक अथवा सामूहिक रूप से अंक–योजना पर भली–भांति आद्योपांत विचार–विनिमय नहीं हो जाता, तब तक मूल्यांकन आरंभ न कराया जाए।

3. मूल्यांकन अपनी निजी व्याख्या के अनुसार न करके अंक–योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।

4. प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर दाईं ओर अंक दिए जाएं। बाद में उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिए में लिखाकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए।

5. यदि प्रश्न का कोई उपभाग नहीं है तो उस पर बाईं ओर ही अंक देकर उन्हें गोलाकृत कर दिया जाए।

6. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का अतिरिक्त उत्तर भी लिख दिया है तो उस उत्तर पर अंक दिए जाएं जिसे पहले लिखा गया हो।

7. संक्षिप्त, किंतु उपयुक्त विवेचन के साथ प्रस्तुत किया गया बिंदुवत उत्तर विस्तृत विवेचन की अपेक्षा अच्छा माना जाएगा। ऐसे उत्तरों को उचित महत्व देने की उपेक्षा है।

8. बार–बार की गई एक ही प्रकार की अशुद्ध वर्तनी पर अंक न काटें।

9. अपठित गद्यांश और काव्यांश के प्रश्नों में परीक्षार्थियों की समझ, बोध–क्षमता और ग्रहणशीलता का परीक्षण किया जाता है, अतएव इनके उत्तरों में अभिव्यक्तिगत योग्यता को अधिक महत्व न दिया जाए जिससे परीक्षार्थियों को अकारण हानि हो।

10. मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने – 0 से 100 का प्रयोग अभीष्ट है, अर्थात् परीक्षार्थियों ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे शत–प्रतिशत अंक दिए जाएँ ।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
परीक्षा – मार्च, 2010
अंक योजना हिंदी (केन्द्रिक)
कक्षा – XII

कूटबंध 2/1/1
2/1/2
2/1/3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
1.				खंड 'क'	5 अंक
	1 (क)	2 (क)	1 (क)	• पक्षी पेड़ों को छोड़कर चले गए, चींटी–चींटे बिलों को छोड़कर चले गए हैं। लोग घरों को छोड़कर चले गए हैं।	1
	(ख)	(ख)	(ख)	• देहरी और चौखट पता नहीं कहां किधर चले गए हैं घरों को छोड़कर।	1
	(ग)	(ग)	(ग)	• क्योंकि कितना भी अकाल पड़े दूब कभी मरती नहीं।	1
	(घ)	(घ)	(घ)	• पिता के विश्वास का प्रमाण ढूँढ़ने कि दूब कभी मरती नहीं।	1
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• पिता का विश्वास दृढ़ हुआ कि अब भी सब कुछ नष्ट नहीं हुआ। जीवन की आशा अब भी है क्योंकि दूब जीवित है। इसलिए उनका चेहरा दमक उठा।	1
2.	2 (क)	1 (क)	2 (क)	• प्रेमचंद पढ़े–लिखे और संभ्रांत लोगों के स्वभाव के दंभ के खोखलेपन को अपनी कहानियों में तार–तार कर देते हैं और ग्रामीण पात्रों के मानवीय गुणों के प्रमाण देते हैं।	15 2
	(ख)	(ख)	(ख)	• "रोशनी" शीर्षक कहानी का।	1
	(ग)	(ग)	(ग)	• पश्चिमी शिक्षा, सभ्यता और जीवन शैली से ही भारत का कल्याण होगा। • इसी से भारत के लोगों का अज्ञान और उनके अंधविश्वास दूर होंगे।	1+1 = 2
	(घ)	(घ)	(घ)	• ग्रामीण जाहिल, मूर्ख और नई बातों से बेखबर होते हैं।	1
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• ग्रामीण महिला में साहस, कर्त्तव्य–पालन, स्वाभिमान, सेवाभाव तथा ईश्वर विश्वास आदि गुणों के दर्शन हुए।	1
	(च)	(च)	(च)	• कि ग्रामीण संस्कृति भी उच्च हो सकती है। • आत्मिक विकास के लिए पश्चिमी जीवन शैली अनावश्यक है।	1+1 = 2
	(छ)	(छ)	(छ)	• वे प्रमाणित करते हैं कि अंग्रेजी सभ्यता और संस्कृति का भक्त और भारतीयता से घृणा करने वाला व्यक्ति भी ग्रामीण महिला के प्रभाव से बदल गया।	2
	(ज)	(ज)	(ज)	• रास्ता भूलना, नाक भौंह सिकोड़ना, तार–तार करना में से किन्हीं दो का वाक्य प्रयोग।	1+1 = 2
	(झ)	(झ)	(झ)	• इक और ता प्रत्यय से बना एक–एक शब्द	½+½ = 1
	(ञ)	(ञ)	(ञ)	• कर्मवाच्य – एक देहातिन विधवा द्वारा उसे मार्ग दिखाया जाता है।	1

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3	खंड 'ख'	
3.	3	4	3	निबंध – • भूमिका और उपसंहार (½+½) 1 • विषय वस्तु वर्णन (3) • भाषा और प्रस्तुति शैली (½+½) 1	5 अंक
4.	4	3	4	पत्र – • प्रारंभ और अंत की औपचारिकताएं (½+½) 1 • प्रश्नानुकूल लेखन 3 • भाषा और प्रस्तुति (½+½) 1	5 अंक
5.	5 (क) (i)	5 (ख) (i)	5 (क) (i)	▪ प्रिंट अर्थात् मुद्रित माध्यम – जैसे अखबार, पत्र–पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि।	1
	(ii)	(ii)	(ii)	▪ खबर को पुष्ट करने और उसे प्रामाणिकता प्रदान करने के लिए प्रत्यक्ष दर्शियों का कथन (एंकर बाइट) जरूरी है।	1
	(iii)	(iii)	(iii)	▪ सूचना, मनोरंजन, ज्ञान, व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक संवादों के आदान–प्रदान के लिए प्रयुक्त टूल (उपकरण)	1
	(iv)	(iv)	(iv)	▪ किसी खास अखबार से बँधा नहीं होता, वह भुगतान के आधार पर अलग–अलग अखबारों के लिए लिखता है।	1
	(v)	(v)	(v)	▪ रेडियो से प्रसारित होने वाली श्रव्य विधा का नाटक।	1
	(ख)	(क)	(ख)	• आलेख की विषय वस्तु 2 • प्रस्तुति शैली 2 • प्रभावी भाषा 1	5 अंक
6.	6	6	6	फीचर की विषय – वस्तु 2 प्रस्तुति शैली 2 प्रभावी भाषा 1	5 अंक

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 2/1/1	2/1/2	2/1/3	उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
				खंड – 'ग'	
7.	7 (क)	–	–	यह तेरी ..... वज्र–हुंकार। ▪ बादलों को युद्ध में काम आने वाली नौका कहा गया है। ▪ वह वह अच्छी लहलहाती फसलों और क्रांति की आकांक्षाओं से भरी है।	1+1 = 2
	(ख)	–	–	▪ बादल वर्षा के द्वारा सूखती फसल को हरा–भरा कर सकते हैं। ▪ जैसे क्रांति जर्जर समाज में नई चेतना फूंक सकती है।	2
	(ग)	–	–	▪ छोटे–छोटे सुकुमार पौधे, समाज के सबसे निचले वर्ग के लोग। ▪ क्योंकि क्रांति से सर्वाधिक लाभ उन्हें ही होता है।	1+1 = 2
	(घ)	–	–	▪ बादलों की गर्जना, मूसलाधार बरसना, हुंकार मार कर लोगों को डराना आदि को क्रांति के क्रिया–कलाप माना जा सकता है।	2
	–	7 (क)	–	▪ तेजी से साइकिल चलाते हुए पतंग उड़ाते बच्चों से की है क्योंकि शरद भी वर्षा ऋतु के बाद अचानक आता है और आकर्षक होता है।	2
				अथवा	2x4=8 अंक
	(क)	–	–	• भाषा के बेतुके प्रयोग से बात का प्रभाव समाप्त हो जाता है? • वह व्यर्थ और निरर्थक हो गई।	1+1 = 2
	(ख)	–	–	• शब्दों को बिना सोचे–समझे प्रयोग करने से वे प्रभावहीन न हो जाएँ। • शब्दों के विचारहीन प्रयोग से उनकी शक्ति (प्रभाव) जाती रही।	2
	(ग)	–	–	• वह भाषा ऊपर से तो ठीक–ठाक दिखती है पर बे–असर होती है। उसमें कसाव नहीं होता, न ही शक्ति।	2
	(घ)	–	–	• प्रत्येक बात के लिए एक निश्चित शब्दावली होती है। जिससे सरल–सहज भाषा में भी प्रभाव पैदा किया जा सकता है। ऐसा न करने पर, शब्दों से छेड़–छाड़ करने पर बात प्रभावहीन हो जाती है।	2
	–	7 (क)	–	• तेजी से साइकिल चलाते हुए आकर पतंग उड़ाते बच्चों से की है क्योंकि शरद भी वर्षा ऋतु के बाद अचानक आता है और आकर्षक होता है।	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 2/1/1	2/1/2	2/1/3	उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
		(ख)	–	▪ सवेरा की उपमा खरगोश की लाल आंखों से की गई। खरगोश के श्वेत बदन में उसकी आँखों की चंचलता और लाली का सौंदर्य आकर्षक होता है। वह वर्षा के बाद आता है अतः उसमें भी शुभ्रता है और आकाश के साफ होने के कारण अधिक लाल भी होता है।	2
		(ग)	–	▪ शरद का आकाश स्वच्छ और चमकीला होता है। वह बच्चों को पतंग उड़ाने के लिए ललचाता है। उन्हें लगता है कि आकाश मुलायम है, उसमें पतंग उड़ाने में कोई बाधा नहीं है ..... आदि।	2
		(घ)	–	▪ भादों में तेज वर्षा होती है। अचानक वर्षा थमती है और शरद ऋतु आ जाती है। इसमें शुभ्रता और चमक होती है। शरद काल का सवेरा मोहक होता है आदि।	
	–	**अथवा**	–		
		(क)	–	▪ बादलों को क्रांतिकारी माना गया है। क्रांति से परिवर्तन लाना वीरों का काम है। ▪ बादल वर्षा से जीवन का संचार करते हैं। वर्षा के बिना कृषक जीवन ही नहीं उस पर आश्रित सभी का जीवन संकट में पड़ जाता है।	2
		(ख)	–	▪ कृषक अधीर होकर बादलों को बुला रहा है क्योंकि बादल क्रांति के प्रतीक हैं, वे ही उसके कष्टों का हरण करने वाले हैं।	
		(ग)	–	▪ धनी, शोषक वर्ग शोषण के कारण ही विलासिता का जीवन जी रहे हैं। उनमें यह भय सदा व्याप्त रहता है कि यदि शोषित वर्ग में जागृति आ गई तो क्रांति का तेज बहाव पूंजीपतियों की विलासिता को भी बहा ले जाएगा।	2
		(घ)	–	▪ पूँजीपतियों ने किसानों का शोषण कर उनका सारा रस चूस लिया है। उन्हें प्राणहीन बना दिया है। वे भूख से व्याकुल नरकंकाल बन गए हैं। वे हड्डियों का ढांचा मात्र रह गए हैं।	2
	–	–	7 (क)	▪ क्रांति से छोटों, पिछड़ों, दलितों को अधिक लाभ होता है। क्रांति से उनकी प्रतिष्ठा होती है।	2
			(ख)	▪ अट्टालिकाओं में धनी पूंजीपति वर्ग रहता है। वे लोग मज़दूरों, किसानों पर अत्याचार करते हैं, आतंक फैलाते हैं किंतु क्रांति आ जाने पर स्वयं आतंकित रहते हैं।	2
			(ग)	▪ छोटे–छोटे पौधे–हाथ हिलाते हुए हंसते–खिलखिलाते हुए बुलाते हैं क्योंकि वर्षा से उन्हें ही सर्वाधिक लाभ होता है।	2
			(घ)	▪ दो अर्थ हैं – i) बाढ़, जिससे कीचड़ तो बह जाती है पर कमल खिल उठते हैं। ii) क्रांति, जिससे शोषक पस्त होते है किंतु आम जन, किसान मज़दूर प्रसन्न होते हैं।	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 2/1/1	2/1/2	2/1/3	उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	–	–	अथवा		
			(क)	▪ प्रेयसी / पत्नी / मां में से किसी एक के पक्ष में। ▪ मैं भूलने को अंतःकरण में पालूं। उससे सरोबार हो जाऊं। ▪ मेरा व्यक्तित्व चारों ओर से तुम्हारे प्रेम से भरा है। (अन्य तर्क भी स्वीकारे जाएं।)	1+1=2
			(ख)	▪ तुम्हारे प्रकाश से मुक्ति पाने के लिए अहंकार ओढ़ लेना चाहता हूँ। अंधकार में ही जीना चाहता हूं।	2
			(ग)	▪ कवि अपने प्रियतम के प्रभाव में है। उसकी एक–एक क्रिया उसमे रच–बस गई है। प्रिय की स्मृति रमणीय है, प्रकाश के समान है परंतु अत्यधिक प्रकाश से वह ऊब गया है।	1+1=2
			(घ)	▪ दक्षिणी ध्रुवी – दक्षिणी ध्रुव में छह महीने अंधकार होता है। कवि भी प्रकाश से इतना ऊब गया है कि अब स्थायी अंधकार चाहता है। ▪ अंधकार से भरी – अमावस्या तिथि को चांद दिखाई नहीं पड़ता इसलिए गहन अंधकार। इससे स्पष्ट होता है कि कवि लंबे समय तक विस्मृति चाहता है।	1+1=2
8.	8 (क)	9 (क)	8 (क)	• सहज सरल बोली के प्रयोग – पाँती बंधे, कजरारे, हौले–हौले, सांझ। • सरल तत्सम प्रयोग – नभ, छाया, सतेज, श्वेत काया। • कोई अन्य।	2+2+2 = 6 अंक 1+1 = 2
	(ख)	(ख)	(ख)	• शाम के समय काले बादल छाए हैं, श्वेत बगुलों की पंक्तियां आकाश में उड रही हैं, काले बादलों के नीचे यह सफेद पंक्ति आंखों को भली लग रही है।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• 'तैरती सांझ की सतेज श्वेत काया'। • सांझ पर मानवीय क्रिया–कलापों का आरोप	1+1 = 2
	अथवा	अथवा	अथवा		
	(क)	(क)	(क)	• भाषा सरल, मधुर, अवधी • तत्सम शब्दों का भी प्रयोग	2
	(ख)	(ख)	(ख)	• आइ गयउ हनुमान जिमि करूना मँह बीर रस। • लक्ष्मण मूर्छा के कारण वातावरण करुण रस से पूर्ण है। ऐसे में हनुमान का आना वीर रस के समान है क्योंकि लक्ष्मण की मूर्छा टूट जाने पर पुनः युद्ध प्रारंभ हो जाएगा।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• छंद – सोरठा • अनुप्रास – प्रभु प्रलाप, सुनि कान वानर निकर	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
9.	9 (क)	8 (क)	9 (क)	• राख से लीपा–गीला चौका • काली सिल पर केसरिया रंग • काली स्लेट पर खड़िया मिट्टी से लिखना। • खुले तालाब में युवतियों का नहाना (किन्हीं दो का उल्लेख)	2+3 = 6 अंक 1+1 = 2
	(ख)	(ख)	(ख)	• खेती अपर्याप्त, भिखारी को भीख न मिलना, व्यवसाय का अभाव, नौकरी न मिलना, कहां जाएं, क्या करें का भाव, उदरपूर्ति के लिए कठिन कर्म, बेटा–बेटी भी बेच देना आदि।	2
	(ग)	(ग)	(ग)	• कवि अपने जीवन की जिस स्थिति से ऊब चुका है, वही उसके लिए प्रेरक भी है, रमणीय भी और उसे स्वीकार्य भी। पर यह समर्पण और सुख–संपति का समृद्ध जीवन अब उसे उबाने लगा है। अतः वह उससे छुटकारा पाना चाहता है।	1+1 = 2
10.	10 (क)	–	–	▪ मन खाली होने पर बाजार जाने पर व्यर्थ और अनावश्यक वस्तुएं भी ज़रूरी और आरामदायक लगेंगी इसलिए वह उन्हें खरीदना चाहेगा और अंततः वे अनुपयोगी और कष्ट कारक होंगी।	2x4=8 अंक 2
	(ख)	–	–	▪ पानी पीकर बाहर निकलने से लू नहीं लगती, बेअसर हो जाती है। इसी प्रकार मन को तृप्त कर बाहर निकलने पर बाज़ार का जादू असर नही करेगा।	2
	(ग)	–	–	▪ मन लक्ष्य से भरा हो, मन में खालीपन न हो तो बाज़ार देखने में आनंद आएगा क्योंकि कोई वस्तु लुभाएगी नहीं और हम तनावमुक्त रहेंगे।	2
	(घ)	–	–	▪ आवश्यकता के समय काम आना। क्योंकि आवश्यकता न हो फिर भी वस्तुएं खरीदना जादू में बंधने जैसा है।	2
	अथवा			**अथवा**	
	(क)	–	–	▪ काले मेघा पानी दे – पाठ धर्मवीर भारती – लेखक ▪ लोक विश्वास के अनुसार 'इंद्रसेना' या 'मेंढक–मंडली' पर पानी उड़ेलने से इंद्रदेवता प्रसन्न होकर वर्षा करते हैं। इस विश्वास पर जीजी लेखक को समझा रही हैं।	½+½=1 1 = 2
	(ख)	–	–	▪ खेतों में बीज बोना। ▪ बादलों की फसल के लिए पानी का दान करना पड़ता है।	1+1 = 2
	(ग)	–	–	▪ किसी को कुछ देने से वह दान चौगुना–अठगुना हो कर वापिस मिलता है। दान देना व्यर्थ नहीं जाता, उसका फल अवश्य मिलता है।	2
	(घ)	–	–	▪ मुक्त उत्तर संभव, अतः स्वीकार किए जाएं। ▪ पक्ष या विपक्ष में दो संगत तर्क।	1+1 = 2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 2/1/1	2/1/2	2/1/3	उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	–	10 (क)	–	▪ शिरीष अवधूत के समान है, चिलकली धूप में भी सरस, हरा–भरा बना रहता है।, उस पर बाहरी कठिन परिस्थितियों का प्रभाव नहीं पड़ता।	1+1 = 2
	–	(ख)	–	▪ बाहरी प्राकृतिक परिवर्तन – धूप, वर्षा, आँधी, ले आदि के समान ही भारतीय समाज में भी मारकाट, लूटमार, आगजनी आदि।	1+1 = 2
	–	(ग)	–	▪ गांधी हृदय से कोमल थे, गरीबों, दलितों के प्रति उनके मन में दया थी। पराधीन भारत की पीड़ा समझते थे। ▪ आतताइयों, अंग्रेज शासकों के प्रति उनका रुख कठोर था।	1+1 = 2
	–	(घ)	–	▪ दोनों सामाजिक या वातावरण की कठिनाइयों से प्रेरणा लेते। ▪ दोनों में कोमलता और कठोरता का गुण हैं।	1+1 = 2
	–	अथवा	–	अथवा	
		(क)	–	▪ बाज़ार के आकर्षण को, क्योंकि बाज़ार में सामान की चकाचौंध हमें लुभाती है और हम में खरीददारी का भूत सवार हो जाता है।	2
		(ख)	–	▪ जब जेब भारी हो और मन खाली हो तो सर्वाधिक असर करता है। ▪ जेब भारी न हो तो, मन खाली हो तो भी जादू चलता है।	2
		(ग)	–	▪ जिन चीज़ों को ग्राहक ने जादू के प्रभाव में आराम बढ़ाने के लिए यों ही खरीद लिया था, वे व्यर्थ प्रतीत होती हैं। ▪ आराम में मदद नहीं विघ्न पड़ता है।	2
		(घ)		▪ मन में तृप्ति का भाव, ▪ दृष्टि में निरपेक्षता ▪ निश्चय की दृढ़ता	1+1=2
	–	–	10 (क)	▪ बाजार से आवश्यकता के अनुसार सामान खरीदना, आकर्षण के कारण नहीं। ▪ जो जानता है कि उसकी आवश्यकता क्या है।	1+1=2
			(ख)	▪ सामान खरीदने के लिए जेब में पर्याप्त धन होना। ▪ विनाशक, शैतानी, व्यंग्य की शक्ति अर्थात् व्यर्थ की खरीददारी अंततः विनाशक और शैतान सिद्ध होती है।	1+1=2
			(ग)	▪ बाज़ार का लाभ नहीं उठा पाते, कपट व्यवहार को बढ़ाते हैं। कपट बढ़ने से परस्पर सद्भाव में कमी आती है। परिणाम स्वरूप हमारे संबंधों में कड़वाहट आ जाती है।	2
			(घ)	▪ बाज़ारूपन का अर्थ है सस्ती लोकप्रियता, घटियापन अपने आकर्षण और चकाचौंध में उलझाकर ग्राहक को फंसाना। जब हम पर्चेजिंग पावर के घमंड में खरीददारी करते हैं तो वह बढ़ता है।	1+1=2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
	–	–	अथवा	अथवा	
			(क)	▪ महादेवी का अर्थ है महान देवी, देवियों में महान। वह स्वयं को उस नाम के योग्य नहीं मानती फिर भी ढो रही हैं इसलिए दुर्वह है।	2
			(ख)	▪ भक्तिन अपना लक्ष्मी नाम किसी को नहीं बताती क्योंकि वह बहुत गरीब है उस पर लक्ष्मी की कृपा कभी नहीं हुई।	2
			(ग)	▪ कपाल का अर्थ भाग्य भी होता है। भक्तिन के भाग्य में लक्ष्मी की कभी कृपा नहीं रही।	2
			(घ)	▪ इतिवृत्त इतिहास को कहते हैं। किसी के विषय में तथ्यात्मक जानकारी। ▪ जब पहली बार महादेवी से नौकरी के लिए मिली। क्योंकि वह अपनी सच्चाई का प्रमाण देना चाहती थी।	1+1=2
11.	11 (क)	11 (क)	11 (क)	• भारत और पाकिस्तान में विभाजन के कारण कड़वाहट है, पर दोनों देश सामाजिक, भौगोलिक, सांस्कृतिक दृष्टि से एक ही विरासत के साझेदार हैं। परस्पर प्रेम और चाहत का यह स्वाद ही 'नमकीन' है जो कड़वाहट को भुलाता है।	3x4 = 12 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	• जैसे संयासी (अवधूत) सुख–दुख, कष्ट सुविधा की चिंता नहीं करता उसी प्रकार शिरीष भी धूप, वर्षा, आंधी से अप्रभावित खड़ा रहता है।	3
	(ग)	(ग)	(ग)	• सभ्य समाज में श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में विभाजन् स्वाभाविक नहीं है। • मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं। • निजी क्षमता का विचार किए बिना दूसरों द्वारा पेशा निर्धारित किया जाता है। • जीवन भर एक पेशे में बांध देती है भले ही वह पेशा अनुपयुक्त या अपर्याप्त हो।	3
	(घ)	(घ)	(घ)	• चार्ली एक हास्य अभिनेता है। उसकी कला को व्यापक स्वीकारोक्ति मिली। • राजकपूर की 'आवारा', 'श्री 420' जैसी फिल्में चार्ली का भारतीयकरण हैं।	3
	(ड.)	(ड.)	(ड.)	• गाँव के अन्य रुग्ण, मरणासन्न लोगों की पीड़ा कम हो सके। • मृत्यु को स्वीकारने का हौसला मिले। • अपनी बहादुरी और दिलेरी का परिचय वह गाँव वालों को देना चाहता था।	3

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं. 2/1/1	2/1/2	2/1/3	उत्तर संकेत / मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
12.	12 (क)	13 (क)	12 (क)	• मूल रास्कारों से आधुनिक न होते हुए भी बच्चों के प्रभाव से समय के साथ ढल पाने में सफल होती है पर यशोधर बाबू किशन दा से प्रभावित होने के कारण सिद्धातों से ही जुडे रहे। • मातृ सुलभ प्रेम के कारण वे अपनी संतानों का पक्ष लेती हैं जबकि यशोधर बाबू पुरानी पीढ़ी की सोच के हिसाब से सोचते हैं इसी कारण समय के हिसाब से ढल पाने मे असफल होते हैं।	3+3 = 6 अंक
	(ख)	(ख)	(ख)	• दत्ता जी राव ने पिता को बुलाकर डांटा कि उनका काम छोड़ने के बाद वह अपने खेतों की देखभाल ठीक से नहीं करता, बीवी बच्चों का ध्यान नहीं रखता, अपनी मस्ती के लिए छोरे का जीवन बलि चढ़ा रहा है। पिता के तर्कों को दत्ता जी ने काट दिया। लेखक ने कहा कि कल से पाठशाला जाया कर। पिता अगर जाने नहीं दे तो मेरे पास आ जाना। उनके दबाव में ही लेखक को पढने की सुविधा प्राप्त हुई।	3
	(ग)	(ग)	(ग)	• ऐन ने तत्कालीन समाज में औरतों की कारुणिक स्थिति का रूप प्रस्तुत किया है। स्त्रियों को घर की देहरी के बाहर की दुनिया मे पैर रखने की इजाजत नही थी। सैनिकों को पदक मिलते हैं पर स्त्रियों को कोई सम्मान नहीं दिया जाता। बच्चों के जन्म के समय उन्हें पीडा सहन करनी पडती है फिर भी उन्हें तिरस्कार मिलता है।	3
13.	13 (क)	–	–	▪ जूझ का अर्थ संघर्ष। प्रतिकूल परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए जीवन में सफलता पाई जा सकती है।	2+2= 4
	(ख)	–	–	▪ वे साधारण परिवार की पृष्ठभूमि से थे। घोर परंपरावादी किशनदा उनके आदर्श थे वे भी परंपराओं का ही निर्वाह करते रहे। जीवन भर बदल नहीं सके।	2
	(ग)	–	–	▪ ऐन की डायरी यहूदियों की ओर से बोलने वाली आवाज है। उस ऐतिहासिक दौर का जीवंत दस्तावेज है। एक साधारण लड़की की असाधारण सोच। जो स्वयं की अभिव्यक्ति से सामूहिक अभिव्यक्ति बन गई (कोई दो बिंदु अपेक्षित)।	2
	–	14 (क)	–	▪ सिल्वर वेडिंग की मूल समस्या है पीढियों का अंतराल। यशोधर बाबू जिन सामाजिक मूल्यों को बचाकर रखना चाहते हैं उनके बच्चों की सोच–मूल्य नए ज़माने व पाश्चात्य संस्कृति से प्रभावित है। उन्हें पुरानी परंपराओं, संस्कृति से कोई सरोकार नहीं।	2

प्रश्न सं.	प्रश्न पत्र गुच्छ सं.			उत्तर संकेत/मूल्य–बिंदु	निर्धारित अंक विभाजन
	2/1/1	2/1/2	2/1/3		
		(ख)	–	▪ मराठी भाषा के अध्यापक कविता के अच्छे रसिक एवं मर्मज्ञ थे उनकी कविता पढ़ाने के अंदाज़ ने लेखक को कविता रचने की ओर आकर्षित किया। कविता पढ़ते–पढ़ते उसके मन में भी कविता रचने की प्रतिभा उत्पन्न हो गई।	2
		(ग)	–	▪ सिंधु की सभ्यता साधन सम्पन्न थी, वास्तु कला और नगर नियोजन में एक अनुशासन है। समाज में सौंदर्य बोध था, धर्म या राजतंत्र की ताकत का प्रदर्शन करते हुए महल या उपासना स्थल नहीं। सभ्यता में आडंबर न होकर सुंदरता थी।	2
	–	–	14 (क)	▪ यशोधर बाबू ड्यूटी को ड्यूटी समझते थे। वे पूरा समय दफ्तर में रहते थे। अपना काम निपटाकर ही घर जाते। समय पर दफ्तर आते। प्रमुख पद पर होने के कारण उनके मातहत कर्मचारी उनसे डरते थे।	2
			(ख)	▪ लेखक की पढ़ाई शुरू करवाने में मां का विशेष हाथ था। दत्ता साहब के घर जाकर उसने उन्हें अपने पति के बारे में सभी बातें बता दीं कि पति को आज़ादी से घूमने को मिले इसलिए बेटे की पढ़ाई छुड़वा दी। निवेदन किया कि उनके कहने से वह लड़के को फिर पढ़ने भेज देगा। अपनी चाल में वह सफल हुई।	2
			(ग)	▪ अज्ञात वास में जो उसके साथ रह रहा था वही उसका एक मात्र मित्र 'पीटर' था। ऐन आशा करती है कि वह उसकी भावनाओं को समझे। पीटर से अपने संबंधों की छानबीन करती है। पर वह उसका अच्छा दोस्त मात्र है।	2
14.	14	12	13	▪ मुअन जो–दड़ो शहर का व्यवस्थित ढाँचा और मकानों की बनावट से यह स्पष्ट होता है कि साधन संपन्न होते हुए भी भव्यता नहीं थी। सड़कों की बनावट सीधी–सादी थी। सड़कें चौडी नहीं थीं। मकानों की बनावट बहुत भव्य नहीं थी। सामूहिक स्नानागार, पूजास्थल, सामुदायिक भवन थे। कपास, तांबे का उपयोग, खेती का प्रमाण प्रकट करता है। भव्य राज प्रासाद व मंदिर नहीं थे, न ही राजाओं से जुड़े चिह्न मिलते हैं। साधनों और व्यवस्थाओं को देखते हुए उसे समृद्ध भी माना गया है, इसमें भव्यता का आडम्बर नहीं मिलता।	5 अंक
				▪ यशोधर बाबू स्वयं पीढ़ी के अंतराल को स्वीकारते हैं। वे मानते हैं कि उनकी संतानें उनसे अधिक दुनियादारी जानती हैं। वे रूढ़िवादी हैं, पुरानी परंपराएं, रीति–रिवाज उन्हें अच्छे लगते हैं। वे समय के साथ ढल नहीं पाए अब भी साइकिल से दफ्तर जाते हैं। ▪ भौतिक सुख के विरोधी। एनीवर्सरी घर पर मनाना या पार्टी देना उन्हें अच्छा नहीं लगता। उनकी वेशभूषा अत्यंत साधारण थी। ▪ परिवार के प्रति प्रेम और लगाव से इसे कम किया जा सकता है। ▪ बच्चों की खुशी में खुश होने से। ▪ पुरानी परंपराओं और रूढ़िवादिता से उबर कर। (समग्र उत्तर के आधार पर अंक दिए जाएं।)	5